रिपोर्ट | विश्व आर्थिक मंच ने जारी की रिपोर्ट, 67वें नंबर से 63वें नंबर पर आया भारत, सूचकांक में दिखा सुधार

भारत ऊर्जा क्षेत्र में लगातार सुधार कर रहा : डब्ल्यूईएफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार सुधार कर रहा है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार ऊर्जा उत्पादन और उपभोग सूचकांक में भारत 63वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने ऊर्जा के समान वितरण, सुरक्षा और उत्पादन में बेहतर सुधार किया है। पिछले साल भारत इस सूची में 67वें नंबर पर था।

डब्ल्यूईएफ के अनुसार सूची में यूरोपीय देश स्वीडन पहले स्थान पर है। वहीं डेनमार्क दूसरे, फिनलैंड तीसरे, स्वीट्जरलैंड चौथे और फ्रांस पांचवें नंबर पर है। चीन सूची में

- 120 देशों की सूची में 107 देश ऐसे, जिन्होंने कई अहम सुधार किए

20वें नंबर पर है। रिपोर्ट में भारत को लेकर कहा गया है कि भारत, चीन और ब्राजील जैसे कुछ विकासशील देशों ने इस क्षेत्र में बेहतर सुधार किया है। भारत में इस क्षेत्र को लेकर की गई पहला पर डब्ल्यूईएफ का कहना है कि दूसरे देश उससे सीख लेते हुए इस दिशा में बेहतर कर सकते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों की सरकारें जागरूकता पैदा करने और नीतिगत हस्तक्षेप पर भी विचार कर सकती हैं।

स्वच्छ ऊर्जा बनाने में भारत अग्रणी

भारत नवीकरणीय और बायोमास ऊर्जा के बूते अपनी जरूरत की 42% बिजली पैदा कर रहा है। भारत ई-वाहनों के साथ ग्रीन हाईड्रोजन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि कोयले पर अभी उसकी निर्भरता से उत्सर्जन की स्थिति थोड़ी खराब है। भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन 1.7 टन है जो वैश्विक औसत से करीब 60% कम है।

नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन

वर्ष	उत्पादन
2024*	188.50
2023	203.55
2022	170.91
2021	147.25
2020	138.32

स्रोत : ऊर्जा मंत्रालय (आंकड़े बिलियन यूनिट में)

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता

वर्ष	क्षमता
2024*	191
2023	125.2
2022	111.4
2021	94.4

(स्रोत : ऊर्जा मंत्रालय) आंकड़े गीगावॉट में (नोट : 2024 के आंकड़े मार्च तक के)

भारत और चीन दोनों ही बेहतर

डब्ल्यूईएफ ने कहा है कि भारत और चीन, दोनों ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सराहनीय काम किया है। दोनों देशों ने कोयले से बिजली उत्पादन कम किया है। ऊर्जा क्षेत्र में ग्रीन टेक्नोलॉजी पर भी काम किया है।